थारी बाट जोवे बाई सुगना आवो म्हारा भाई भजन लिरिक्स

थारी बाट जोवे बाई सुगना,
आवो म्हारा भाई,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

बालपने री बाली उमरियाँ,
पुंगल गढ परणाई,
सासरिया मे मानस मिलीया,
तो भी क्रूर कसाई,
रात रात रोवे सुगना,
सारी रेण जागी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

रूनीचा मे मारो मनडो बसीयो,
वे बचपन री बाता,
सुख रो सूरज आप गियो रे,
पुंगल गढ मे आता,
हसन खेलन री मन मे रेगी,
होगी मे अभागी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

सुगना मनावे काग उडावे,
कदे मारो बीरो आवे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के बिना अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पडीयारा रो गरब मिटावे,
कद रूनीचे ले जावे,
सोवत जागत सुगनचीडी ज्यु,
झुरवाने लागी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

लीले चढने रामदेवजी,
पुंगल गढ मे आया,
गले लगाई सुगना बहन रा,
सगला कष्ट मिटाया,
करणीसुत सुगना री काया,
हरखन लागी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

थारी बाट जोवे बाई सुगना,
आवो म्हारा भाई,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई,
काई भूल पडगी बीरा,
याद मै ना आयी,
थारी बाट जोवें बाई सुगना,
आवो मारा भाई।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com